



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 558] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 16, 1984/कार्तिक 25, 1906
No. 558] NEW DELHI, FRIDAY, NOV. 16, 1984/KARTIKA 25, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 1984

का० जा० 846(अ).—केन्द्रीय सरकार, विधिविषुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजस्थान सरकार के मुख्य मन्त्रि को उक्त अधिनियम के प्रतीन दण्डनीय सभी अपराधों की वास्तव अभियोजन के लिये मंजूरी देने की शक्ति का प्रयोग करने के निम्ने प्राविष्टत करती है।

[सं० II/17017/45/84-आईएस (यू एस-डी, II)]

एम० एल० कौल, संयुक्त मन्त्रि

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th November, 1984

S.O. 846(E).—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby authorises the Chief Secretary, Government of Rajasthan to exercise the power to sanction prosecution in respect of all offences punishable under the said Act.

[No. II/17017/45/84-IS(US-D, II)]

M. L. KOUL, Jt. Secy.